आकाशवाणी गोरखपुर
प्रादेशिक समाचार

दिनांक–29 दिसंबर 2024 **7:20 AM**

पहले मुख्य समाचार।

- पूर्व प्रधानमंत्री डॉ मनमोहन सिंह को नई दिल्ली के निगम बोध घाट पर दी गई अंतिम विदाई, केंद्र सरकार ने डॉ सिंह का स्मारक बनाने के लिए जगह देने का लिया फैसला।
- प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आज सुबह ग्यारह बजे देशवासियों से करेंगे **मन की बात।**
- मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने नई दिल्ली पहुंच कर महाकुंभ दो हजार पच्चीस के लिए विशिष्ट अतिथियों को दिया न्यौता।
- श्री राम मंदिर निर्माण समिति की बैठक में रामनवमी के पहले कई निर्माण कार्यों को पूरा करने का फैसला।

****

पूर्व प्रधानमंत्री डॉ० मनमोहन सिंह को कल नई दिल्ली के निगम बोध घाट पर पूरे राजकीय सम्मान के साथ अंतिम विदाई दी गई। सिख ग्रंथियों और डॉ. मनमोहन सिंह के परिजनों ने अंतिम संस्कार से पहले गुरबानी का पाठ किया। उनकी बडी बेटी उपिन्दर सिंह ने मुखाग्नि दी। औपचारिक गार्ड ऑफ ऑनर के बाद राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु, उप–राष्ट्रपति जगदीप धनखड़, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, केंद्रीय मंत्री राजनाथ सिंह, अमित शाह और जगत प्रकाश नड्डा तथा लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, सोनिया गांधी और राहुल गांधी सहित पार्टी के कई नेताओं ने उन्हें अंतिम विदाई दी।

सुबह, उनके पार्थिव शरीर को, उनके घर से, कांग्रेस मुख्यालय लाया गया। इसके बाद, वहां से, फूलों से सजे वाहन में अंत्येष्टि स्थल ले जाया गया। देश में, एक जनवरी तक, सात दिनों के लिए राजकीय शोक घोषित किया गया है। डॉ. मनमोहन सिंह का जीवन सार्वजनिक सेवा और समाज के उत्थान के लिए समर्पित था। डॉ. सिंह को भारत के आर्थिक और राजनीतिक परिदृश्य में उनके परिवर्तनकारी योगदान के लिए देश उन्हें हमेशा याद रखेगा। रहीसुद्दीन रिहान के साथ आनंद कुमार, आकाशवाणी समाचार, दिल्ली।

हमारे संवाददाता ने बताया है कि थलसेना प्रमुख जनरल उपेन्द्र द्विवेदी, नौसेना प्रमुख दिनेश के. त्रिपाठी, वायु सेना प्रमुख अमरप्रीत सिंह, भूटान नरेश जिगमे खेसर नामग्याल वांगचुक और मॉरिशस के विदेश मंत्री धनंजय रामफल ने भी पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह को पुष्पांजलि अर्पित की।

डॉ मनमोहन सिंह का बृहस्पतिवार को नई दिल्ली में निधन हो गया था। वे 92 वर्ष के थे। डॉ सिंह लंबे समय से बीमार थे। उनका जन्म छब्बीस सितम्बर उन्नीस सौ बत्तीस को अविभाजित भारत के पंजाब राज्य में हुआ था।

हाथों में पुष्प, मन में आदर और आंखों में आंसू लिए डॉ सिंह के निधन से शोक में डूबे देश ने दलीय और क्षेत्रीय सीमाओं से उठकर उन्हें श्रद्धांजलि दी। सभी लोगों ने अलग अलग रूप में राष्ट्र जीवन में गहरा असर डालने वाले उनके योगदान को याद किया। सिंह उन दिग्गजों में से एक थे जिन्होंने नए उदारवादी भारत की कल्पना की थी। वे एक सच्चे राजनेता थे जिनके शांत व्यवहार ने उनके परिवर्तनकारी प्रभाव को झुठला दिया। मनमोहन सिंह ने 33 सालों तक राज्यसभा के सदस्य के रूप में अपनी सेवाएं दी। 2004 से 2014 तक वह यूपीए सरकार में देश के प्रधानमंत्री रहे। इसके अलावा, 1991 से 1996 तक उन्होंने नरसिम्हा राव की सरकार में वित्त मंत्री के रूप में कार्य किया था। उनके दिल में कविताएं और शायरी धड़का करती थी। डॉ. सिंह के लोकसभा में दिए गये शेर का ये अंश याद आ रहा है—माना कि तेरी दीद के काबिल नहीं हूं मैं, तू मेरा शौक देख, मेरा इंतजार देख। समाचार कक्ष से एक श्रृद्धांजलि।

इस बीच, गृह मंत्रालय ने कहा है कि केंद्र सरकार डॉ. मनमोहन सिंह के स्मारक के लिए जगह आवंटित करेगी। सरकार को इस संबंध में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे से अनुरोध प्राप्त हुआ था। मंत्रिमंडल की बैठक के बाद गृह मंत्री अमित शाह ने श्री खरगे और डॉ. सिंह के परिवार को इसकी जानकारी दी।

****

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी आज सुबह ग्यारह बजे आकाशवाणी पर मन की बात कार्यक्रम में देश–विदेश के लोगों के साथ अपने विचार साझा करेंगे। यह मासिक रेडियो कार्यक्रम की 117वीं कड़ी होगी। मन की बात कार्यक्रम का प्रसारण आकाशवाणी और दूरदर्शन के समूचे नेटवर्क, आकाशवाणी समाचार वेबसाइट और न्यूज़ ऑन ए.आइ.आर. मोबाइल ऐप पर भी किया जाएगा। इसे आकाशवाणी समाचार, डी.डी. न्यूज़, पी.एम.ओ. और सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय के यू–ट्यूब चैनलों पर भी सीधा प्रसारित किया जाएगा।

****

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कल नई दिल्ली पहुंच कर महाकुंभ दो हजार पच्चीस के लिए विशिष्ट अतिथियों को आमंत्रित किया। उन्होंने पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद, भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा, गृह मंत्री अमित शाह और मिजोरम के राज्यपाल रिटायर्ड जनरल वीके सिंह से मुलाकात की और तेरह जनवरी से शुरू हो रहे महाकुंभ में आने का न्यौता दिया। महाकुंभ छब्बीस फरवरी तक चलेगा। इस बीच, उत्तर मध्य रेलवे ने महाकुंभ के लिए तेरह हजार से अधिक ट्रेनों के संचालन का फैसला लिया है। इनमें दस हजार से

अधिक नियमित गाड़ियां यात्रियों की सेवा करेंगी, जबकि तीन हजार विशेष रेलगाड़ियां चलाई जाएंगी। दो हजार रेलगाड़ियां आयोजन से बाहर जाने के लिए चलेंगी। उधर, महाकुंभ के प्रचार प्रसार के लिए सभी जिलों में प्रचार वाहन भी भेजे जा रहे हैं। अलीगढ़ में वहां के जिलाधिकारी ने कल प्रचार वाहनों का रवाना किया।

एलईडी वैन्स प्रत्येक जिले में भेजे गये और इसीक्रम में अलीगढ़ में भी दो एलईडी वैन्स आये हुए हैं और इसका आज फार्मल इंनाग्रेशन क्लेक्ट्रेट कैंपस से शुरू किया गया है। एक निर्धारित रोसटर के आधार पर ग्रामीण और शहीर क्षेत्र में ये भ्रमण करेंगे और महाकुंभ के संबंध में शहरवासियों को और जनपद वासियों को इसके संबंध में जानकारी प्रदान भी करेंगी। ताकि इस महाआयोजन से हमारे प्रत्येक नागरिक जुड़ सकें।

महाकुंभ में आने वाले श्रद्धालुओं की सुविधा और सुरक्षा के लिए प्रयागराज में कल नाविक संगठनों को भी आपदा से बचाव का प्रशिक्षण दिया गया।

****

श्री राम मंदिर निर्माण समिति की बैठक कल अयोध्या में सम्पन्न हुई। बैठक से पहले संवाददाताओं से बातचीत में समिति के अध्यक्ष नृपेंद्र मिश्र ने बताया कि मंदिर निर्माण की प्रगति पहले से अच्छी हुई है। उन्होंने उम्मीद जताई की जून दो हजार पच्चीस तक परकोटा के निर्माण का कार्य पूरा हो जाएगा।

अब तक जो कल देखा उसमें जो परकोटा है। जिसमें लगभग आठ लाख चालीस हजार क्यूबीक फीट पत्थर लगने हैं। उसमे अब लगभग तीन लाख क्यूबीक फीट अवषेश रह गया है। यह प्रगति निश्चित रूप से पहले से अच्छी हुई है और इससे आशा जगी है कि हम जून दो हजार पच्चीस तक परकोटा जो लगभग एक किलो मीटर आप जानते ही हैं। उसमें छह मंदिर हैं उसे हम लोग पूर्ण कर सकेगें।

समिति की बैठक में अयोध्या धाम के चारों दिशाओं के प्रवेश द्वारों का नाम सनातन धर्म के प्रसिद्ध आचार्यों के नाम पर रखने का फैसला लिया गया। श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र के ट्रस्टी डॉ अनिल मिश्र ने बताया कि सप्तऋषी मंदिर का काम पूरा होने के बाद इसके बीच एक फूलों से भरी तलैया बनाई जाएगी। मंदिर परिसर में चालीस एकड़ हरियाली के लिए समर्पित होगा। डॉ मिश्र ने बताया कि बहुत से निर्माण कार्य रामनवमी के पहले मार्च तक पूरे करा लिये जाएंगे।

सप्तमंडपम का निर्माण कार्य सत्तर परसेंट पूर्ण हो गया है। आने वाले फरवरी अंत तक सप्तमंडपम की तैयारी पूर्ण हो जाएगी। जैसे जब ये सप्तमंडपम के पत्थर का काम पूर्ण होगा तो उसके अंदर जब मशीने हटेंगी तो अन्य फिनिसिंग के कार्य और जो अंदर का शेष कार्य है वो भी पूरा किया जाएगा। फिर यह हम कह सकते है कि मार्च तक सप्तमंडपम भी पूर्ण हो जाएगा और जो सप्तमंडपम की सभी प्रतिमाएं है शेष छह मंडमपम की सभी प्रतिमाएं है वो बन रही है बहुत समय सीमा के अंदर बन जाएंगी और वो भी यह प्रयास हो रहा है कि ये उठ कर के आवे तो वो कही अन्यत्र रखने की जगह पर सीधे वहां लगायी जाए, स्थापित की जाए, इसकी भी योजना बनाई जा रही है।

****

प्रदेश के अलग अलग जिलों में कल हुई हल्की बूंदाबांदी से लेकर मध्यम वर्षा के कारण तापमान गिरने से ठंड महसूस की जा रही है। मौसम विज्ञान विभाग द्वारा एक दिन पहले जारी दैनिक मौसम पूर्वानुमान बुलेटिन के अनुसार आज और कल प्रदेश में अलग अलग स्थानों पर घना कोहरा छाये रहेगा। साथ ही इकतीस दिसम्बर से दो जनवरी तक देर रात और सुबह के समय हल्के से लेकर मध्यम कोहरे की संभावना जताई गई है।

****